Waiting Lists for LPG Connections

1072. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state;

(a) what is the present number of persons on waiting lists for LPG con nections in four metropolitan cities; and

(b) what steps Government are taking to wipe out the waiting lists?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) The details as on 1-7-91 are as under:—

	Lakhs
Delhi	5.66
Madras	2.70
Calcutta	3.86
Bombay	2.15

(b) Release of new LPG connections is done by oil industry in a phased manner keeping in view the likely availability of LPG.

देश में कच्चे तेल का उत्पादन

1073. **श्री रणजीत सिंह :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री 15 जुलाई, 1991 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 89 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990 के अंत तक देश में कच्चे तेल की कुल कितनी मात्रा का उत्पादन होने की संभावना है ;

(ख) क्या यह सच है कि योजना आयोग ने वर्ष 1991–92 के लिए देश में मूल रूप से 34.1 मिलियन टन कच्चे तेल के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया था ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार उक्त लक्ष्य को वर्ष के अंत तक हासिल कर सकेगी ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और चालू वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कुल कितनी मात्रा का उत्पादन होने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) वर्ष 1990-91 में कच्चे तेल का उत्पादन 33.00 मिलियन टन (अन्तिम आंकड़ा) रहा ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) वर्ष 1991–92 में होने वाले उत्पादन के अनुमान तैयार किये जा रहे

विमान पत्तनों पर सुविधाएं

1074. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों के रख-रखाव और वहां पर अद्यतन सुविधाओं की व्यवस्था प्रदान कराने के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी, हां ।

(ख) यातायात की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण की 8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नए टर्मिनलों, टैक्सीपथों के निर्माण, बेहतर सुविधाएं और साधन उपलब्ध कराने के लिए